नए ऑर्डर मिलने से विनिर्माण गतिविधियां 16 साल के शीर्ष पर

लगातार 33वें महीने बढ़ा उत्पादन, कंपनियों की इनपुट लागत में भी वृद्धि

नई दिल्ली। रोजगार के मोर्चे पर भारी वृद्धि और नए ऑर्डर मिलने में तेजी से देश की विनिर्माण गतिविधियां 16 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च, 2024 में बढ़कर 59.1 पर पहुंच गया। यह 2008 के बाद सबसे ज्यादा है। फरवरी में विनिर्माण पीएमआई 56.9 रहा था। एचएसबीसी के मासिक सर्वेक्षण के मुताबिक, अक्तूबर, 2020 के बाद से उत्पादन में सबसे ज्यादा बढ़त दिखी है। विनिर्माण उत्पादन मार्च में अक्तूबर, 2020 के बाद से लगातार 33वें महीने बढ़ा है। विनिर्माण पीएमआई नए ऑर्डर, उत्पादन व इनपुट लागत के साथ नए रोजगार में मजबूत वृद्धि को दर्शाता है। पीएमआई का 50 से ऊपर रहना गतिविधियों में तेजी और इससे नीचे का आंकड़ा गिरावट का संकेत है। एजेंसी

59.1

पहुंच गया पीएमआई मार्च में

रोजगार में वृद्धि छह माह में सर्वाधिक

घरेलू कंपनियों ने मार्च में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की। रोजगार देने की गति हल्की रही। इसके बावजूद यह सितंबर, 2023 के बाद से छह माह में सबसे ज्यादा है।

- कीमतों के मोर्चे पर दबाव पांच महीनों के उच्च स्तर पहंच गया। कंपनियों ने बताया, उन्होंने कपास, मशीनरी उपकरण, लोहा, प्लास्टिक व स्टील के लिए अधिक भुगतान किया।

नए निर्यात ऑर्डर 22 महीने में उच्च स्तर पर

एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, मजबूत मांग और क्षमता में थोड़ी सख्ती के कारण मार्च में इनपुट लागत की महंगाई बढ़ गई। घरेलू और विदेशी दोनों बाजारों में नई गतिविधियों में मजबूती रही है। मई, 2022 के बाद से 22 माह में नए निर्यात ऑर्डर सबसे ज्यादा मिले हैं।

खरीद गतिविधियां 13 वर्षों में सबसे मजबूत

सर्वेक्षण के अनुसार, मार्च में खरीद संबंधी गतिविधियां 2023 के मध्य के बाद से सबसे तेज रफ्तार से बढ़ी हैं। कंपनियों की खरीदारी से यह रफ्तार लगभग 13 वर्षों में सबसे मजबूत है। वजह यह है कि कंपनियां बिक्री में सुधार से पहले भंडार को मजबूत बनाना चाह रही थीं।

उम्मीद...उत्पादन में जारी रह सकती है बढ़ोतरी

28 फीसदी घरेलू कंपनियों को उम्मीद है कि आने वाले समय में भी उत्पादन में वृद्धि जारी रहेगी। एक फीसदी का मानना है कि इसमें गिरावट आ सकती है। समग्र रूप से सेंटिमेंट मजबूत है। हालांकि, महंगाई की चिंताओं के कारण सेंटिमेंट मार्च में चार महीने के निचले स्तर पर आ गया।